Regarding the issue of Coastal floods of Ganga, Phulhar and Kosi and rehabilitation of flood affected people

श्री खगेन मुर्मु **(**माल्दहा उत्तर**) :** सभापति महोदय, मैं पूरे सम्मान के साथ यह तथ्य आपके सामने लाना चाहता हूँ कि भारी बारिश और नदी की गहराई में कमी के कारण गंगा, फुलहर और कोशी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है । इससे अभूतपूर्व बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है ।

मेरा संसदीय क्षेत्र माल्दहा उत्तर और रतुआ-वन जैसे ब्लॉक के अंतर्गत खासमोहोल, नसीरुद्दीन टोला, भाषा राम टोला, कानतु टोला, महानंदा टोला और भिलाई मारी पंचायतों जैसे नदी किनारे के गांवों के आवासों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है । इसमें 300 से अधिक परिवार गंगा, फुलहर और कोसी कटाव से प्रभावित हुए हैं ।

माननीय सभापति **:** आप मांग रख दीजिए । आप अपना विषय उठाइए । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया अपना विषय उठाएं, जिसमें यह बताएं कि आपकी मांग क्या है ।

श्री खगेन मुर्मु **:** सभापति महोदय, इससे हरिश्चंद्रपुर-।। ब्लॉक के उत्तर और दक्षिण भकुरिया, रशीदपुर जैसे गांवों में लगभग 135 से अधिक परिवार फुलहर से प्रभावित हुए हैं ।

माननीय सभापति **:** आप अपनी मांग रखिए ।

श्री खगेन मुर्मु **:** महोदय, उपरोक्त सभी ग्रामीण दुर्भाग्यवश तीनों नदियों के कहर के कारण अपने घरों से विस्थापित होकर सड़कों पर आ गए हैं । ? (व्यवधान) इन सभी लोगों को यथाशीघ्र उचित राहत एवं मुआवजा देकर पुनर्वासित किया जाना चाहिए ।

माननीय सभापति **:** आप अपनी लास्ट लाइन कह दीजिए । More than 50 hon. Members have to speak. आपको यह समय बैलेट से अलग दिया गया है, इसलिए आपको तीन मिनट नहीं मिल सकते हैं ।

श्री खगेन मुर्मु **:** महोदय, मैं ऐसी परिस्थितियों में आपसे निवेदन करता हूँ कि गंगा, फुलहर एवं कोसी के तटवर्ती बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के मुद्दे पर तत्काल प्रभाव से माननीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल जी एवं पश्चिम बंगाल सरकार बाढ़ प्रभावित पीड़ितों के पुनर्वास की व्यवस्था तुरंत करे । धन्यवाद ।